शिविर | मुख्य महाप्रबंधक जेना के नेतृत्व में विश्व रक्तदाता दिवस पर सेवा, समर्पण और संवेदना का अद्भुत संगम

मानवता की मिसाल बने अमरजीत : 46वीं बार किया रक्तदान

नवभारत,धनपुरी। विश्व रक्तदाता दिवस के पावन अवसर पर एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र में केंद्रीय चिकित्सालय द्वारा विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था, जिसमें केंद्रीय चिकित्सालय की सारी टीम वहां पर उपस्थित रही इस अवसर पर केंद्रीय चिकित्सालय में मानव सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व और जनकल्याण की भावना का अनुपम उदाहरण देखने को मिला। जहा इंटक महामंत्री एवं एसईसीएल कर्मी अमरजीत सिंह ने 46वीं बार स्वैच्छिक रक्तदान कर न केवल एक प्रेरणादायी कीर्तिमान स्थापित किया, बल्कि पूरे सोहागपुर क्षेत्र का नाम भी गौरवान्वित किया। उनका यह योगदान समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता, सेवा भावना और मानवीय मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के केंद्रीय चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक बी.के. जेना ने भी स्वेच्छा से रक्तदान कर कर्मचारियों और युवाओं को समाजसेवा का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल एक चिकित्सा आवश्यकता नहीं, बल्कि मानव जीवन को बचाने का सबसे बड़ा और पुण्य कार्य है। किसी अज्ञात व्यक्ति के जीवन में नई उम्मीद जगाने का माध्यम बनने से बड़ा कोई धर्म नहीं हो सकता। मुख्य महाप्रबंधक बी.के. जेना के कुशल नेतृत्व और जनहितकारी सोच की सराहना करते हुए अमरजीत सिंह ने कहा कि उनके मार्गदर्शन में सोहागपुर क्षेत्र में सामाजिक सरोकारों से जुड़े अनेक कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री जेना सदैव कर्मचारियों को सेवा और समाजहित के कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं, जिसका सकारात्मक प्रभाव पूरे क्षेत्र में दिखाई देता है।

रक्तदान के उपरांत अमरजीत सिंह ने भावपूर्ण शब्दों में कहा

रक्तदान केवल रक्त की कुछ बूंदें देना नहीं है, बल्कि किसी जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान करने का संकल्प है। जब किसी अस्पताल में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे मरीज को रक्त की आवश्यकता होती है, तब रक्तदाता ही उसके लिए देवदूत बनकर सामने आता है। मुझे गर्व है कि मैं 46वीं बार रक्तदान कर सका और भविष्य में भी यह सेवा निरंतर जारी रखूंगा। यदि मेरे रक्त की एक बूंद भी किसी परिवार की खुशियां लौटा सकती है, तो इससे बड़ा सौभाग्य मेरे लिए कोई नहीं हो सकता। उन्होंने आगे कहा कि रक्तदान से किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती, बल्कि यह शरीर में नए रक्त कोशिकाओं के निर्माण को भी प्रोत्साहित करता है। समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करते हुए उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने का आह्वान किया। गौरतलब है कि अमरजीत सिंह एसईसीएल की रेस्क्यू टीम के सक्रिय सदस्य भी रहे हैं और अनेक आपदा एवं बचाव अभियानों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। श्रमिक हितों के लिए सदैव मुखर रहने वाले अमरजीत सिंह अपने सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में भी अग्रणी रहते हैं। यही कारण है कि वे कर्मचारियों, श्रमिकों और आमजन के बीच सम्मान और विश्वास का पर्याय बन चुके हैं। विशेषज्ञों के अनुसार रक्तदान एक ऐसा महादान है जिसका कोई विकल्प नहीं है। दुर्घटनाओं, गंभीर बीमारियों, शल्य चिकित्सा, प्रसूति और थैलेसीमिया जैसे रोगों से पीड़ित हजारों मरीजों के जीवन की डोर रक्तदाताओं की उदारता पर निर्भर रहती है। एक यूनिट रक्त कई लोगों के जीवन को बचाने में सहायक बन सकता है।

जनकल्याण शिविर में हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ, प्रमाण-पत्र वितरित

नवभारत,सोहागपुर। जनपद पंचायत सोहागपुर की अध्यक्ष हीरावती कोल के नेतृत्व में आयोजित जनकल्याण शिविर में विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। शिविर के दौरान लाड़ली लक्ष्मी योजना से जुड़ी बालिकाओं तथा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष श्रीमती हीरावती कोल ने कहा कि शासन द्वारा संचालित जनहितैषी योजनाएं समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।उन्होंने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि वे शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ लें तथा अपने आसपास के पात्र लोगों को भी इन योजनाओं के प्रति जागरूक करें। इससे अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। शिविर में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला तथा लाभ प्राप्त करने वाले हितग्राहियों ने शासन की योजनाओं के प्रति संतोष व्यक्त किया।

जुए के अड्डे पर पुलिस का छापा, भागे फड़बाज, जुआरी धराए

13 मोटरसाइकिलें और नगद बरामद

नवभारत, जबलपुर । बरेला पुलिस ने बम्हनी में चल रहे एक बड़े जुआ फड़ पर छापा मार कार्रवाई की। कार्रवाई से जुआरियों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके से घेराबंदी कर 4 जुआरियों को रंगे हाथों दबोचा है, जबकि फड़बाज भाग निकले। पकड़े गए जुआरियों के कब्जे से 11,4 नगद और जुआरियों की 13 मोटरसाइकिलें जब्त की गई हैं।

टीआई संगीता सिंह ने बताया कि बम्हनी में रमेश गर्ग के खेत में ताश पत्तों पर रूपयों की हारजीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे शुक्ला झारिया कंधीलाल चक्रवर्ती, सुरेन्द्र झारिया तीनों निवासी बम्हनी, नवीन पटेल निवासी ग्राम गाडरखेडा बरेला को घेराबंदी कर दबोचा गया। जुआडियों के कब्जे एवं फड़ से 11 हजार 4 रूपये, 11 वाहन जब्त किए गए।

राजा-बच्चू काट रहे थे नाल-

पूछताछ करने पर जुआरियों ने बताया कि रमेश गर्ग के खेत में राजा राम पटेल निवासी देवरी पटपरा एवं बच्चू चक्रवर्ती निवासी बम्हनी दोनों ही जुए के नाल का पैसा लेते है दोनो ही मौके से भाग गये है। पुलिस ने प्रकरण र्ज कर फडबाज राजा राम पटेल निवासी देवरी पटपरा एवं बच्चू चक्रवर्ती निवासी बम्हनी की तलाश शुरू कर दी है।

75 कवि-कवयित्रियों ने दी यादगार प्रस्तुतियां, स्व . मोहन शशि को काव्यांजलि

नवभारत,जबलपुर। संस्कारधानी की प्रतिष्ठित साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था मिलन के अमृत महोत्सव वर्ष के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय भव्य कवि-कवयित्री सम्मेलन उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। आयोजन में जबलपुर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लगभग 75 कवि-कवयित्रियों ने अपनी स्वरचित रचनाओं की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम का आयोजन महामहोपाध्याय आचार्य ब्राह्ममश्री पं. डॉ. हरिशंकर दुबे, के.के. नायकर, दिलीप निखरा, जगदीश पटेल, बलराम वर्मा एवं अज्ञेय शशि के मार्गदर्शन में हुआ। आयोजन में अध्यक्ष एड.ईश्वर सिंह,संयोजक पं. दीपक तिवारी, सह-संयोजक एवं महामंत्री डॉ. मुकुल तिवारी डॉ. संध्या जैन 'श्रुति' विशेष सहयोगी रहीं।

प्रथम दिवस 'परिंदों के आसमान' में मुख्य अतिथि विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, अध्यक्ष संदीप जैन तथा विशिष्ट अतिथि प्रशांत केसरवानी उपस्थित रहे। इस अवसर पर गणेश 'प्यासा', संगम त्रिपाठी, डॉ. विनोद बाजपेयी, विजेंद्र

उपाध्याय, बसंत शर्मा, आशुतोष तिवारी सहित अनेक कवियों ने सामाजिक, राष्ट्रीय और मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी। द्वितीय दिवस महिला काव्य गोष्ठी 'मन के महराव' के नाम रही। मुख्य अतिथि डॉ. स्वाति सदानंद गोडबोले, अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति अभिलाष पांडे तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. तनुश्री सिंह रहीं। इस अवसर पर डॉ. राजलक्ष्मी आर एन. शिवहरे, साधना उपाध्याय डॉ.चंद्रा चतुर्वेदी,डॉ.निर्मला तिवारी,डॉ.अनामिका तिवारी,अनुराधा 'अनु',अदिति ठाकुर 'शौर्यशीं', डॉ. वंदना दुबे,डॉ.अरुणा पांडे सुषमा खरे, अन्नपूर्ण पाण्डे, रेखा ताम्रकार ,शशि परिहार, प्रभा शील, डॉ.कदंबनी मिश्रा, आशा लता गिरीश विल्लोरे, सुषमा खरे, आशा लता जैन, मनोरमा गुप्ता 'बांसुरी', विनीता पैगवार विधि, विनीता श्रीवास्तव, ज्योति 'प्यासी' सहित अनेक कवयित्रियों ने अपनी सशक्त और भावपूर्ण रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

शौर्य यात्रा में संगठित होकर शक्ति का प्रदर्शन करे क्षत्रिय समाज : डॉ . सिंह

नवभारत, जबलपुर। महाराणा प्रताप जयंती पर आज सिविक सेंटर से शाम 4 बजे भव्य शौर्य यात्रा निकाली जाएगी। इसमें हजारों क्षत्रिय महिला-पुरुष शामिल होकर वीरता, एकता और सामाजिक समरसता का संदेश देंगे। यह यात्रा सिविक सेंटर से शुरू होकर करमचंद चौक, मालवीय चौक और नगर निगम तीन पत्ती मार्ग होते हुए महाराणा प्रताप प्रतिमा स्थल पर समाप्त होगी। इस आयोजन से एक दिन पूर्व अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने प्रेस वार्ता कर यूजीसी, समाज, शिक्षा और समसामयिक मुद्दों पर विचार रखे।

यूजीसी बदलाव और राम मंदिर जांच की मांग

वार्ता में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. कुंवर हरिवंश सिंह ने नई पीढ़ी को महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान व छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य, त्याग और राष्ट्रभक्ति से जोड़ने के लिए समाज को संगठित होने का आह्वान किया। प्रदेशाध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसौदिया ने इसे सांस्कृतिक गौरव की यात्रा बताते हुए शिक्षा व सहभागिता से समाज को मजबूत करने पर जोर दिया। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता डॉ. ए.पी. सिंह ने यूजीसी बदलावों पर सामाजिक आशंकाओं के तहत कोर्ट में पक्ष रखने की बात कही और व्यापक चर्चा को जरूरी बताया। उन्होंने रामभक्तों की आस्था के मद्देनजर अयोध्या राम मंदिर निर्माण की कथित वित्तीय अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच व दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। पारंपरिक पहनावे में तलवार लिए महिलाएं यात्रा का मुख्य आकर्षण होंगी, जो सांस्कृतिक स्वाभिमान दिखाएंगी। आयोजकों ने सभी वर्गों से शामिल होने की अपील की। महापौर जगत बहादुर सिंह ने अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने व आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। वक्ताओं ने शबरी के बेर प्रसंग से जाति-भेद मिटाने का संदेश दिया। पूर्व में महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण हुआ। इस दौरान राष्ट्रीय महामंत्री राघवेंद्र सिंह राजू, सुखवीर सिंह भदौरिया, महेंद्र सिंह राजावत, पार्षद सोनिया रंजीत सिंह, पदम सिंह राजपूत, पूनम सिंह, कल्पना सिंह, आशा सिंह सहित कई पदाधिकारी व नागरिक उपस्थित रहे।

रेलवे कर रहा बिजली की बर्बादी !

नवभारत, जबलपुर। देश के प्रधानमंत्री द्वारा लगातार ऊर्जा संरक्षण और बिजली बचाने को लेकर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। वे कई मंचों से नागरिकों और संस्थानों से बिजली की बचत करने की अपील कर चुके हैं। लेकिन मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्र एक के परिसर में स्थित डॉरमेट्री में देखने को मिली तस्वीरें इन प्रयासों पर सवाल खड़े कर रही हैं। दरअसल नवभारत के कैमरे में कैद मुख्य स्टेशन की डॉरमेट्री में उस समय भी एसी, पंखे और लाइटें लगातार चालू पाई गईं, जब वहां कोई यात्री मौजूद नहीं था। खाली कमरों में घंटों तक विद्युत उपकरणों का संचालन होने से न केवल बिजली की अनावश्यक खपत हो रही है, बल्कि सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का मामला भी सामने आ रहा है।

संसाधनों की है बर्बादी

वही रेलवे से जुड़े जानकारो का कहना है कि एक ओर रेलवे द्वारा ही आम नागरिकों को बिजली बचाने की सीख दी जाती है, वहीं दूसरी ओर सरकारी विभागों में इस तरह की लापरवाही देखने को मिलती है। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो हर महीने बड़ी मात्रा में सरकारी धन केवल बिजली बिल के रूप में व्यर्थ खर्च होता रहेगा। वही नागरिकों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि स्टेशन परिसर में ऊर्जा संरक्षण के नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए तथा खाली कमरों में अनावश्यक रूप से चल रहे एसी, पंखे और लाइटों को तत्काल बंद करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

इनका कहना है

हम आम जनता से अपील करते हैं कि किसी भी संसाधन का उपयोग करने के बाद उसे बंद कर के जाएँ। हम सभी को मिलकर बिजली, पानी जैसे जरूरी संसाधनों को बचाना है। इसपर अटेंडर से सारी जानकारी ली जाएगी।

डॉ मधुर वर्मा
सीनियर डीसीएम, पमरे

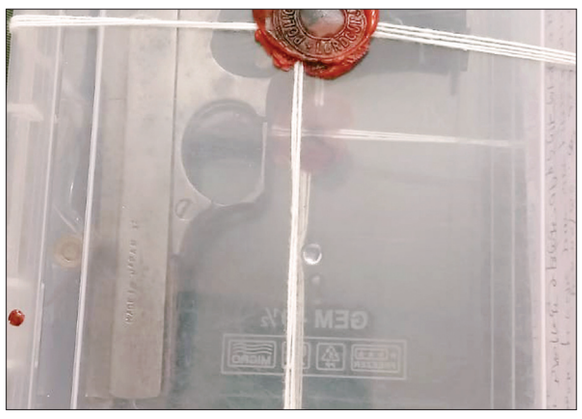

रानीताल श्मशान घाट के पास अवैध लोड पिस्टल के साथ शातिर बदमाश गिरफ्तार

नवभारत,जबलपुर। लार्डगंज पुलिस ने रानीताल श्मशान घाट के पास दबिश देकर एक युवक को अवैध हथियार के साथ रंगे हाथों दबोचा है। आरोपी के पास से एक लोडेड देशी पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे सलाखों के पीछे भेज दिया है। लार्डगंज थाना प्रभारी नवल सिंह आर्य ने बताया कि रानीताल श्मशान घाट के पास किसी गंभीर वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे शिवम उर्फ शुभम नामदेव पिता मुकेश उर्फ मुन्ना नामदेव, (34) निवासी कार्तिक होटल के पास, यादव कॉलोनी को पकड़ा गया। जब पुलिस टीम ने आरोपी की तलाशी ली, तो उसकी जींस पैंट की बाईं जेब से एक चमचमाती हुई देशी पिस्टल बरामद हुई। पिस्टल की मैगजीन में एक जिंदा कारतूस पहले से ही लोड था, यानी आरोपी कभी भी गोली चला सकता था। आरोपी के कब्जे से अवैध देशी पिस्टल और कारतूस को विधिवत जप्त कर लिया है। आरोपी से कड़ाई से पूछताछ की जा रही है कि उसने यह घातक हथियार कहां से, कैसे और किस मकसद से हासिल किया था।

नगर पालिका के चार कर्मचारियों का तबादला

प्रशासनिक हलकों में बढ़ी हलचल

नवभारत,धनपुरी । मध्य प्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मंत्रालय भोपाल ने प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए धनपुरी नगर पालिका में पदस्थ चार अधिकारियों-कर्मचारियों के स्थानांतरण के आदेश जारी किए हैं। शासन द्वारा जारी आदेश के तहत इन अधिकारियों को आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से अन्य नगरीय निकायों में पदस्थ किया गया है।

मंत्रालय द्वारा जारी आदेश क्रमांक 2626/5359632/ 2026/ 18-1, 15 जून के अनुसार धनपुरी नगर पालिका से स्थानांतरित किए गए अधिकारियों-कर्मचारियों में इंद्र बहादुर सिंह, अमित सिंह बघेल, संजय श्रीवास्तव एवं भरत सिंह शामिल हैं।

तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त करने के निर्देश

शासन की ओर से जारी आधिकारिक प्रतिलिपि (पृष्ठांकन क्रमांक 2627) में संबंधित संभागीय संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास को निर्देशित किया गया है कि स्थानांतरित अधिकारियों-कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से वर्तमान दायित्वों से कार्यमुक्त कर नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण कराने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए।

प्रशासनिक कसावट और कार्यकुशलता पर जोर

सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय नगरीय निकायों में प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने, कार्यप्रणाली को अधिक गतिशील बनाने तथा जनहित से जुड़े कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। शासन की इस कार्रवाई को प्रशासनिक पुनर्संरचना और बेहतर कार्य निष्पादन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

आदेश के बाद चर्चाओं का दौर तेज

स्थानांतरण आदेश जारी होने के बाद धनपुरी के प्रशासनिक एवं राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। नगर पालिका से जुड़े कर्मचारी और जनप्रतिनिधि भी इस निर्णय को लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चा कर रहे हैं। हालांकि शासन ने इसे नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा बताया है। नगर पालिका धनपुरी में हुए इन तबादलों को स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था में नई ऊर्जा और कार्यकुशलता लाने वाले कदम के रूप में देखा जा रहा है।

अव्यवस्था | जाम और हादसों का बढ़ा खतरा

नौदरा ब्रिज, नागरथ चौक और पर्यटन तिराहे पर सिग्नल बंद

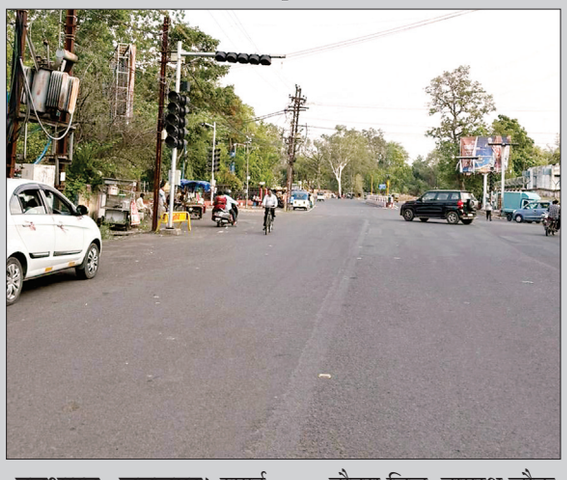

नवभारत, जबलपुर। स्मार्ट सिटी और बेहतर यातायात व्यवस्था के दावों के बीच शहर के कई प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल बंद पड़े होने से व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

नौदरा ब्रिज, नागरथ चौक, कैराब्स और पर्यटन तिराहे जैसे व्यस्त मार्गों पर सिग्नलों के बंद रहने से वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन चौराहों से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं, लेकिन सिग्नल बंद होने के कारण यातायात पूरी तरह अव्यवस्थित नजर आ रहा है।

कई स्थानों पर वाहन चालक अपनी सुविधा अनुसार निकलने का प्रयास करते हैं, जिससे जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पीक आवर्स में हालात और भी खराब हो जाते हैं। स्कूल बसें, एम्बुलेंस, ऑफिस जाने वाले कर्मचारी और आम लोग घंटों जाम में फंसने को मजबूर हैं। वहीं पैदल सड़क पार करने वाले लोगों को भी जान जोखिम में डालकर रास्ता पार करना पड़ता है।

क्यों नहीं होती मॉनिटरिंग

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब करोड़ों रुपये खर्च कर ट्रैफिक सिग्नल लगाए गए हैं तो उनकी नियमित मॉनिटरिंग और रखरखाव क्यों नहीं हो रहा? यदि सिग्नल लंबे समय से बंद हैं तो संबंधित विभाग द्वारा तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की गई? यातायात विशेषज्ञों का मानना है कि व्यस्त चौराहों पर सिग्नल बंद रहना केवल असुविधा का विषय नहीं, बल्कि सीधे तौर पर जनसुरक्षा से जुड़ा मामला है। समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। शहरवासियों की मांग है कि बंद पड़े ट्रैफिक सिग्नलों को तत्काल चालू कराया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाए, ताकि लोगों की सुरक्षा और सुगम यातायात सुनिश्चित हो सके।

इनका कहना है

सिग्नल बंद रहने यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। मंगलवार को सिग्नल्स बंद रहे, सब परेशान होते रहे।

रशिका सिंह

सिग्नल्स बंद होने के कारण सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। प्रशासन इस ओर ध्यान दे

मानसी